

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... *The Times of India*
दिनांक ५. २. २०२० पृष्ठ सं..... ५ कॉलम..... ।

**HAU celebrates
golden jubilee**

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCS HAU), Hisar, celebrated its golden jubilee foundation day on Monday. Union minister of state for animal husbandry, dairy and fisheries Sanjeev Balyan, an alumnus of HAU, inaugurated a two-day book exhibition on the occasion. The function was presided over by HAU vice-chancellor Professor K P Singh.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... उजाला
दिनांक..... २-२०२० पृष्ठ सं... ६ कॉलम... ४-५

मनुष्य के लिए मार्गदर्शक होती हैं पुस्तकें : प्रो. केपी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू लाइब्रेरी में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का समापन मंगलवार को हुआ। समापन अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे।

इस मौके पर प्रो. सिंह ने कहा की इंटरनेट के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शक भी होती हैं। इहें ज्ञान का 'पावर हाउस' माना जा सकता है।

लिखना इंसानी जीवन में सबसे बड़ा

■ हक्किवि में पुस्तक प्रदर्शनी का समापन बोले - किताबें पढ़ने से मन रहता है स्थिर

आविष्कार है और लिखी हुई चीजें एक तरह की दलीलें हैं। पढ़ने वाले के पास शब्दों का भंडार खुलता जाता है।

किताबें पढ़ने से मन स्थिर रहता है, जो याददाश्त को बनाए रखने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि पुस्तक प्रदर्शनी शुरुआत में दो दिन की थी, लेकिन पाठकों की रुचि को देखते हुए इसे तीन दिन का कर दिया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, सभी डीन व डायरेक्टर उपस्थित थे।



पुस्तक का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... डैनिक मात्रक
दिनांक ५-२-२०२० पृष्ठ सं २ कॉलम २-३

पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ मनुष्य का मार्गदर्शन करती हैं : प्रो. केपी सिंह

एचएयू में चल रही पुस्तक प्रदर्शनी का तीसरे दिन हुआ समापन

हिसार | एचएयू के नेहरू लाइब्रेरी में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हो गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। प्रो. सिंह ने कहा कि आज के इस इन्टरनेट या यह कहें की गृहाल के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शन भी होती है। इन्हें ज्ञान का 'पॉवर हाउस' माना जा सकता है। यहां से कई तरह की मानसिक शक्तियां हमारे अन्दर पैदा होती हैं। लिखन इंसानी जीवन में सबसे बड़ा आविष्कार है और लिखी हुई चीजें एक तरह की दलीलें हैं। किताबें पढ़ने से दिमाग अक्सर सोचने की क्रिया में रहता है या यों कहें कि जबान रहता है।

पढ़ने वाले के पास शब्दों का भंडार खुलता जाता है। किताबें पढ़ने से मन स्थिर रहता है, जो याददाश्त को बनाए रखने में



मददगार साक्षित होती है व प्रदर्शित पुस्तकों का अवलोकन किया।

पुस्तकालाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 11 जाने माने पब्लिशर्स/वेंडर्स ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में लगभग 10 हजार पुस्तकें विभिन्न विषयों पर प्रदर्शित की गईं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब के सरी
दिनांक २. २. २०२० पृष्ठ सं. २ कॉलम ३-४



पुस्तक का अवलोकन करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

हिसार 4 फरवरी (ब्लूरे): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरु लाइब्रेरी में आयोजित 3 दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ।

पुस्तक प्रदर्शनी के समापन अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे। प्रो. सिंह ने कहा कि आज के इस इन्स्ट्रनेट या यह कहें की गूगल के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें

ज्ञान वर्धक होने के साथ साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शक भी होती है इन्हें ज्ञान का 'पॉवर हाऊस' माना जा सकता है।
पुस्तकालाध्यक्ष डा. बलबान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 11 जाने माने पब्लिशर्स/वैडर्स ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में लगभग 10,000 पुस्तकें विभिन्न विषयों पर प्रदर्शित की गईं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी., रजिस्ट्रार, सभी डीन व डायरेक्टर उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

बैनर जागरूक

दिनांक..... २. २०२० पृष्ठ सं १७ कॉलम ४

ज्ञान का पॉवर हाउस
हैं पुस्तकें : प्रो. केपी

जागरण संवाददाता, हिसार
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी
में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक
प्रदर्शनी का समापन हुआ। इस अवसर
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी
सिंह मुख्य अतिथि रहे। प्रो. सिंह ने
कहा कि आज के इंटरनेट या गूगल
के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय
की व्याख्या बहुत बदल रही है। पुस्तकें
ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ मनुष्य
के लिए मार्गदर्शक भी होती हैं। इहें
ज्ञान का 'पॉवर हाउस' माना जा
सकता है। किताबें पढ़ने से हमार
दिमाग अक्सर सोचने की क्रिया में
रहता है। पुस्तकालाध्याक्ष डा. बलवान
सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 11
जाने माने पब्लिशर्स व वैडर्स ने भाग
लिया था। पुस्तक प्रदर्शनी में पाठकों ने
बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं पुस्तकों
का चयन नेहरू पुस्तकालय के लिए
किया एवं व्यक्तिगत उपयोग के लिए
भी ली। पुस्तक प्रदर्शनी शुरूआत में दो
दिन की थी लेकिन पाठकों की रुचि
को देखते हुए इसे तीन दिन के लिए
कर दिया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... *The Hindustan Times*.....
दिनांक..... ५. २. २०२० पृष्ठ सं. २ कॉलम. ।

HAU DEVELOPS OATS VARIETY

HISAR : The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's fodder section of the department of Genetics and Plant Breeding has developed new fodder oats variety HFO 607 which was identified in the Varietal Identification Committee meeting during its National Group Meet held at Central Agricultural University, Imphal. The vice-chancellor KP Singh congratulated the team of scientists and said that this variety of oats has been identified for cultivation in North West region mainly Haryana, Punjab, Rajasthan, Terai region of Uttarakhand and Western Uttar Pradesh. It is suitable for timely sown, irrigated under single cut system.

HTC

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

राजभट्ट उजाला

दिनांक ५-२-२०२०

पृष्ठ सं ६

कॉलम १३

जई : एचएफओ ६०७ किस्म को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

एक कटाई और सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है नई किस्म

अमर उजाला ब्यूरो



जई की नई उन्नत एचएफओ ६०७ किस्म।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स ऐंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग की ओर से जई की किस्म एचएफओ ६०७ की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। इसे नेशनल युप मीट (रबी २०१९-२०) के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में फोरेज क्रॉस ऐंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया।

कुलपति प्रो केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए बेहतर है। यह किस्म उत्पादन और पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपयोगत किस्म एक कटाई व सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है।

615.7 विवरण प्रति हेक्टेयर देती हरे चारे की पैदावार : एचएफओ ६०७ ने हरे चारे की पैदावार ६१५.७ विवरण प्रति हेक्टेयर दी, जो राष्ट्रीय चेक कैट (५४९.४ किवंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस ६

(५३१.५ किवंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः ११.९ प्रतिशत और १७.४ प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल १२५ (५६५.३ किवंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए ८.८ प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने १३१.२ किवंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक कैट (११५.९ किवंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस ६ (१०६.७ किवंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः १२.९८ प्रतिशत और २३.९३ प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इसने नोर्थ वेस्ट जॉन चेक ओएल १२५ (१०७.९ किवंटल प्रति हेक्टेयर) की तुलना में सूखे चारे की

इहोंने किया विकसित

एचएफओ ६०७ को डॉ. डीएस फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मीनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

उपज के लिए २१.७७ प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई। इस किस्म ने २७.६ किवंटल प्रति हेक्टेयर बीज की पैदावार दी और यह राष्ट्रीय चेक कैट और ओएस ६ तथा जॉनल चेक ओएल १२५ के बराबर थी और श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल १८६१ से २९.० प्रतिशत बेहतर थी। एचएफओ ६०७ में पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और ९.२३ प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन बिटो ड्राई मेटर डाइजेस्टिविलिटी नेशनल चेक कैट और ओएस ६ से ५.०३ प्रतिशत बेहतर है और जॉनल चेक ओएल १२५ व श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल १८६१ से ५.४३ प्रतिशत अधिक है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पैनक ट्रिभुवन
दिनांक ५: २: २०२० पृष्ठ सं ७ कॉलम ।-३

एचएफओ 607 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हकूमि ने विकसित की जई की नयी किस्म

हिसार, ४ फरवरी (निस)

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचयू) के चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई जई की किस्म 607 को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। हकूमि ने दावा किया कि किसानों की आय को दोगुना करने में यह किस्म कारंगर साबित होगी।

इस किस्म को नेशनल ग्रुप मोट (रबी 2019-20) के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचान गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विवि के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है।

वैज्ञानिकों ने बताया कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र



हिसार में हकूमि देवैज्ञानिकों द्वारा उत्पादित जई की नयी किस्म 607। -निस

और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचान गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में

समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है। इस किस्म को डॉ. डीएस. फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मिनाली जाटान द्वारा विकसित किया गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी
 दिनांक ५. २. २०२० पृष्ठ सं. ४ कॉलम ६.८

हफ्ते की जई की नई किस्म एच.एफ.ओ. 607 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हिसार, 4 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एच.एफ.ओ. 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है, जिसे नैशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान के न्द्रोय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की दीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, गजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है।

जई की उपरोक्त किस्म एक कराई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है। एच.एफ.ओ. 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 किवटल प्रति हैक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चैक कैंट (549.4 किवटल प्रति हैक्टेयर) और



जई की नई उन्नत किस्म।

ओएस 6 (531.5 किवटल प्रति हैक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चैक ओएल 125 (565.3 किवटल प्रति हैक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 किवटल प्रति हैक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चैक कैंट (115.9 किवटल प्रति हैक्टेयर) और ओ.एस. 6 (106.7 किवटल प्रति हैक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इसने नॉर्थ वेस्ट जोन चैक ओएल 125 (107.9 किवटल प्रति हैक्टेयर) की तुलना में

सूखे चारे की उपज के लिए 21.77 प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई।

इस किस्म ने 27.6 किवटल प्रति हैक्टेयर बीज की पैदावार दी और वह राष्ट्रीय चैक कैंट और ओएस 6 तथा जोनल चैक ओ.एल 125 के बराबर थी और श्रेष्ठ क्रालिफाइंग किस्म ओ.एल. 1861 से 29.0 प्रतिशत बेहतर थी। इस किस्म को डा. डी.एस. फौगाट, डा. योगेश जिदल और डा. मिनाक्षी जाटन द्वारा विकसित किया गया है। डा. नवीन कुमार, डा. दलविंदर पाल सिंह और डा. जयती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दीन क जागरूक

दिनांक ५. २. २०२०

पृष्ठ सं १८

कॉलम ७-८

पड़ोसी राज्यों में भी जई की नई किस्म विकसित करेगी एचएयू

जगण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। जिसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इफारल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की यह किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

एचएफओ ने दी सबसे अधिक पैदावार: एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 किवंटल प्रति हेक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चेक केंट (549.4 किवंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (531.5 किवंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 किवंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की

एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 किवंटल प्रति हेक्टेयर दी

पोषण व गुणवत्ता में भी यह किस्म श्रेष्ठ

यह पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन विद्वांश्चाई मीटर डाइजेरिटिविलिटी नेशनल चेक केंट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बेहतर है तथा जोनल चेक ओएल 125 तथा श्रेष्ठ क्लालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है। यह किस्म पलता मूलसा रोग के प्रति औसत रूप से रोधक है। इस किस्म को डा. डीएस फौगाट, डा. योगेश जिंदल और डा. मिनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है।

श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 किवंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक केंट (115.9 किवंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 किवंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दीर्घीभ

दिनांक.....

पृष्ठ सं. 14

कॉलम 4-८

**हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की जई एचएफओ
607 किस्म को राष्ट्रीय पहचान मिली**

हिसार। हरियाणा कृषि किसानों की आय को बोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैगेटिक्स एंड प्लाट बींडिंग विभाग के वारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीयस्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल ग्रुप मीट रबा 2019-20 के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, छंपाल में आयोजित फोरेज कॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचान गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कठा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचान गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से ज्ञान है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है। एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 विचंटल प्रति हेक्टेयर और जीवंत ओएस 6 (531.5 विचंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र वेक के ओएल 125 (565.3 विचंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 विचंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय वेक के 115.9 विचंटल प्रति हेक्टेयर और ओएस 6 106.7 विचंटल प्रति हेक्टेयर से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इस किस्म को डॉ. डीएस फोगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मीनाक्षी जाटल द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ.

जयंती टोकर से भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दीनांक मासिक
दिनांक ५. २. २०२० पृष्ठ सं ६ कॉलम ८

हृषि : जई की नई किस्म एचएफओ-607 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हिसार। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ-607 की विजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। इसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

सितंप्री पत्र

दिनांक ५. २. २०२० पृष्ठ सं. । कॉलम २-४

हकृति की जई की नई किस्म एचएफओ 607 को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली

सिंघेरी पत्स न्यूज, हिसारा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को बढ़ाना करने के लिए लगातार प्रयत्नसंस्था है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनोटेक्स एंड लांट ब्रॉडिंग विभाग के चाहा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की विजाहि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर घोषणा हुई है जिसे नेशनल ग्रूप मॉट (वर्ष 2019-20) के द्वारा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेंज ब्रॉडिंग एंड यूट्लिलजेशन की बैठक में घोषित किया गया। विश्वविद्यालय के कूलपरिषद् के पांथी, सिंह ने वैज्ञानिकों को दीम की बधाई दी तथा कहा कि जर्वं की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, गजबरान, उत्तराखण्ड के उत्तर क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओरों के लिए घोषित किया गया है।

इस किस्म को डॉ. शुभेश धौणाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. रमाली जाटन द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवजन कुमार, डॉ. दल्लक्ष्म धान मिश्र और डॉ. जयती शुक्ला ने भी इस किस्म के विकासित करने में सहयोग दिया।

विन्टल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक केट (115.9 विन्टल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 विन्टल प्रति हेक्टेयर) से ब्रम्मा: 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक ऐदावार दी।

इसने नाई वेट जॉन चेक ऑएल 125 (107.9 विन्टल प्रति हेक्टेयर) की तुलना में सूखे चारों ओं उपज के साथ 21.77 प्रतिशत की अछूत दिखाई। इस किस्म ने 27.6 विन्टल प्रति हेक्टेयर बीज की ऐदावार दी और यह राष्ट्रीय चेक केट और ओएस 6 तथा जॉनल चेक ऑएल 125 के बराबर थी और ऐप्रॉटिलियालग किस्म ऑएल 1861 से 29.0 प्रतिशत बहुत ही। यह पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसको इन विद्यु ड्रैई मैट डालॉस्टिकलटी नेशनल चेक केट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बहुत है तथा जॉनल चेक ऑएल 125 तथा ऐप्रॉटिलियालग किस्म ऑएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है। यह किस्म पता जूलमा रोग के प्रति औपूर्त रूप से गोक्षक है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम प्र० १८५८ प्र०
दिनांक ५. २. २०२० पृष्ठ सं. ५ कॉलम १-२

हृत्क्रिया की जई की नई किस्म एचएफओ ६०७ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली



हिसार, ४ फरवरी (निस) :
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आवको दोगुना करने के लिए लगातार प्रयत्नसरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रोडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ ६०७ को विजार्ह हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल स्युप मीट (रवी 2019-20)

के द्वारा नेत्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इफाल में आयोजित फोरम ब्रॉन्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचान गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। इस किस्म को डॉ. डॉएस फौगाट, डॉ. यौगेश जिंदल और डॉ. निनाशी जाटान द्वारा विकासित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलपिंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकासित करने में सहयोग दिया।

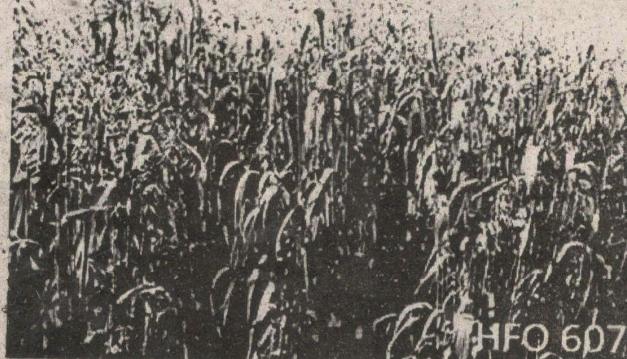
लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नम्बर छोट
दिनांक ५.२.२०२० पृष्ठ सं ६ कॉलम ५-८

जई की नई किस्म एचएफओ 607 राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति

हिसार/04 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इंसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लाट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल युप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फेरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड के तराइ क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचान गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है।



एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए 615.7 किवंटल प्रति हेक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चेक केंट (549.4 किवंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (531.5 किवंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 किवंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता

दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 किवंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक केंट (115.9 किवंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 किवंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इसने नॉर्थ वेस्ट जॉन चेक ओएल 125 (107.9 किवंटल प्रति हेक्टेयर) की तुलना में सूखे चारे की उपज के

लिए 21.77 प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई। इस किस्म ने 27.6 किवंटल प्रति हेक्टेयर बीज की पैदावार दी और यह राष्ट्रीय चेक केंट और ओएस 6 तथा जॉनल चेक ओएल 125 के बराबर थी और श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 29.0 प्रतिशत बेहतर थी। यह पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन विट्टों ड्राई मैटर डाइजेरिटिविलिटी नेशनल चेक केंट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बेहतर है तथा जॉनल चेक ओएल 125 तथा श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है। यह किस्म पत्ता झुलसा रोग के प्रति औसत रूप से रोधक है। इस किस्म को डॉ. डीएस फौगट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मीनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरूक, उम्र उजाला
दिनांक..... 2-2020 पृष्ठ सं... 18, 2 कॉलम... 1, 3....

एचएयू में फलों और
सब्जियों पर साप्ताहिक
प्रशिक्षण 26 से

जास, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में अनुसूचित जाति व जनजाति के युवाओं के लिए फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 26 फरवरी से 4 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर और प्रमुख और पाठ्यक्रम निदेशक डा. राकेश गहलोत ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष की आयु के 12वीं पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

हकूमि में साप्ताहिक प्रशिक्षण 26 से

हिसार। एचएयू के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण पर साप्ताहिक प्रशिक्षण 26 फरवरी से चार मार्च तक करवाया जाएगा। पाठ्यक्रम निदेशक डा. राकेश गहलोत ने बताया कि प्रशिक्षण 18 से 25 वर्ष की आयु के 12वीं पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

नम्बर छोटा

दिनांक ५. २. २०२०

पृष्ठ सं. ६

कॉलम ७-८

हकृति में फलों और सब्जियों पर समाहित प्रशिक्षण 26 से

हिसार/04 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में अनुसूचित जाति व जनजाति के युवाओं के लिए फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 26 फरवरी से 04 मार्च, 2020 तक आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर और प्रमुख और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. राकेश गहलोत ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष की आयु के 10+2 पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। इस प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवारों के आवेदन, जिन्होंने पहले से ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है, विभागीय चयन समिति द्वारा पाठ्यक्रम में चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। डॉ. राकेश गहलोत ने कहा कि हमारे केंद्र द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के रोजगार सूचना पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि इच्छुक युवाओं को फलों और सब्जियों की नवीनतम प्रसंस्करण तकनीकों से परिचित कराया जा सके। पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ. रेखा और डॉ. रितु सिंधु ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैम, जेली, मुरब्बा, पनीर, टॉफी, सॉस, चटनी, अचार, रेडी-टू-सर्व ड्रिंक, स्कवैश और सिरप जैसे मूल्य वर्धित फलों और सब्जियों के उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण पर व्यावहारिक प्रदर्शन दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... सिटी पल्स
दिनांक ५. २. २०२० पृष्ठ सं... । कॉलम । २

हृकृति में फलों और सब्जियों पर सप्ताहिक प्रशिक्षण 26 से

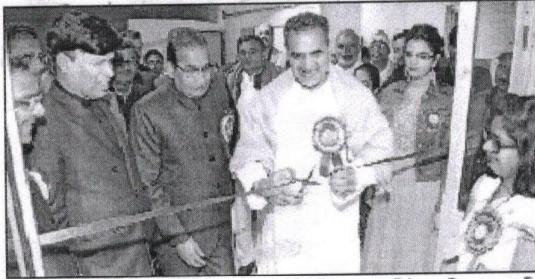
मिट्टी पत्थर न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गवाहा
विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में अनुच्छित जाति व जनजाति के
युवाओं के लिए फलों और सब्जियों के प्रसंगकरण पर एक मासाह
का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 26 फरवरी से 04 मार्च, 2020 तक
आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर और प्रमुख और पाठ्यक्रम
निदेशक डॉ. गोकुल गहलोत ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष की आयु के 10+2 पास अनुच्छित
जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। इस प्रशिक्षण के लिए 25
उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले अंतों
पहले युवाओं के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवारों के आवेदन,
जिन्होंने फलों से ही इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया है,
विभागीय चयन समिति द्वारा पाठ्यक्रम में चयन के लिए विचार
नहीं किया जाएगा।

डॉ. उकेश गहलोत ने कहा कि हमारे केंद्र द्वारा ममम समय पर
इस प्रकार के गोजार मूलन पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं
लालक इच्छुक युवाओं को फलों और सब्जियों की नवीनतम
प्रसंगकरण तकनीकों से परिचित कराया जा सके। पाठ्यक्रम
समन्वयक, डॉ. रेखा और डॉ. रितु शिंगु ने कहाया कि इस प्रशिक्षण
पाठ्यक्रम में जैम, जेली, मुख्या, पर्सी, टापी, सोम, चटनी, अचार,
रेही-दू-सर्व टिक्क, रहीश और सिरप जैसे मूल्य वर्तित फलों और
सब्जियों के उत्पादों के प्रसंगकरण और संखण पर व्यावहारिक
प्रदर्शन दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पाठ्यक्रम
दिनांक ५ : २ : २०२० पृष्ठ सं. ३ कॉलम १.२

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ



हिसार, ५ फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्य अधिकारी पश्चिमांचल, हेडरी एवं मत्त्य चालान राज्य भूमि, भारत सरकार, डॉ. संजीव बालियान थे तथा विशिष्ट अधिति के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.गी. सिंह उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. चलान सिंह ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में जाने माने 11 प्रकाशक/पेंडल द्वारा भाग लिया गया। पुस्तक प्रदर्शनी की समूर्ध देख रेख पारिहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप द्वारा की जा रही है।